जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, ऊधम सिंह नगर

कार्यक्रम का नाम –जिला संदर्भ समूह सामाजिक विषय कार्यशाला
विभाग का नाम –जिला संसाधन एकक विभाग
कार्यक्रम समन्वयक का नाम – श्री मुकुल कुमार पाल,(प्रवक्ता), श्री कौशल त्रिपाठी,(प्रवक्ता)
प्रतिभागी का विवरण –जनपद ऊधम सिंह नगर के विभिन्न विकासखण्डों से सामाजिक विषय के शिक्षक।
प्रतिभागियों की संख्या –कुल 28 महिला–13 , पुरूष–15
आयोजन की तिथि/अवधि – 08/10/2025 से 09/10/2025
कार्यक्रम व्यय – रू0 29,952/–
संदर्भदाता/सुगमकर्ता का विवरण–

क्र० सं०	नाम संदर्भदाता/सुगमकर्ता	संस्थान
1.	श्री अनानास कुमार	अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन
2.	साहबुद्दिन अंसारी.	अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन

कार्यक्रम की उपलब्धि/संक्षिप्त आख्या –AWP के अन्तर्गत प्रस्तावित जिला संदर्भ समूह सामाजिक विषय के शिक्षण को सरल, सहज व रूचिकर बनाने के लिये डायट ऊ0सि0न0 में दिनांक **08/10/2025 से 09/10/2025** तक 02 दिवसीय सामाजिक विज्ञान कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य सामाजिक विज्ञान के शिक्षण में आने वाले कठिन सम्बोधों की पहचान कर उनका निवारण करना है इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिये कार्यशाला मे शिक्षण में आने वाली कठिनाइयो को दूर करने के लिये सामाजिक विज्ञान विषय के कठिन सम्बोधों को सूचीकृत कर प्रत्येक सम्बोध के लिये उपयुक्त शिक्षण विधि के चयन एवं शिक्षण पर विस्तारपूर्वक चर्चा परिचर्चा की गयी। सन्दर्भदाताओ द्वारा सा0विषय को प्रयोगात्मक रूप से पढ़ाने का प्रदर्शन किया गया । प्रशिक्षण कार्यशाला में विभिन्न शैक्षिक एवं सामाजिक विषयों पर गतिविधि आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान मानचित्र अध्ययन, ग्लोब का प्रयोग, दिशाओं एवं भौगोलिक अवधारणाओं की समझ, आलोचनात्मक चिंतन (Critical Thinking), मूल्य आधारित शिक्षण (Value Based Learning) तथा अन्वेषण आधारित अधिगम (Enquiry Based Learning) पर विशेष बल दिया गया।
प्रतिभागियों को समूहों में विभाजित कर विभिन्न गतिविधियाँ कराई गईं, जिनसे उनकी विषयगत समझए सहयोगात्मक कार्य क्षमता तथा प्रस्तुतीकरण कौशल का विकास हुआ। नई शिक्षा नीति 2020, NCF 2005 एवं NCF 2023 के शैक्षिक उद्देश्यों पर भी चर्चा की गई। प्रशिक्षण के अंत में सभी प्रतिभागियों द्वारा अपने अनुभव साझा किए गए तथा प्राप्त ज्ञान को विद्यालय स्तर पर प्रभावी रूप से लागू करने का संकल्प लिया गया। यह प्रशिक्षण शिक्षकों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक सिद्ध हुआ।

कार्यक्रम की प्रमुख झलकियाँ–